

The Platform of Central Trade Unions and Independent Sectoral Federations/Associations salutes the team of Engineers, Scientists, Communications Experts and so on, who made Chandrayaan-3 possible. Their undaunted work has opened up myriad possibilities for India to forge ahead in many fields.

As the story of Chandrayaan-3 unfolds, heart-rending stories of those who worked selflessly for the project emerge: Thousands of Engineers and Workers of Heavy Engineering Corporation (HEC), Ranchi, Jharkhand, a public sector undertaking, who have designed and manufactured the mobile launch pad and other important equipments that made Chandrayaan-3 possible, have not been paid for the past 17 months! ISRO scientists and engineers have worked without any promotions!

The communication that was crucial for Chandrayaan-3 project was handled exclusively by BSNL, another PSU, deliberately being strangled by the Central Government.

That the entire project was handled by PSUs is not surprising. In fact, the PSUs in India were established because their products (machinery) had a long gestation period, in which the private sector was not ready to invest. They wanted quick assured profits.

The story of HEC employees brings to mind the saga of ASHA and Anganwadi workers who worked selflessly during the covid pandemic, only to earn cudos as "Frontline Warriors" but no increase in their miserable monthly honorarium!

Will the Prime Minister be truthful to admit that it is the Public Sector that is the backbone of our nation - from bringing up healthy children to exploring the outer space! It is the PSUs which have been robbed of thousands of crores of rupees to erect huge statues, while starving the PSU employees, getting all priorities wrong.

We demand that the Central Government immediately release the dues of HEC Employees as well as the promotions due to the engineers and scientific cadres at ISRO as well as at other units who played their significant role in this project as India celebrates their contributions.

**INTUC**

**AITUC**

**HMS**

**CITU**

**AIUTUC**

**TUCC**

**SEWA**

**AICCTU**

**LPF**

**UTUC**

**And Independent Sectoral Federations/Associations**

## प्रेस विज्ञप्ति

केंद्रीय ट्रेड यूनियनों और स्वतंत्र क्षेत्रीय फेडरेशनों/एसोसिएशनों का मंच इंजीनियरों, वैज्ञानिकों, संचार विशेषज्ञों आदि की टीम को सलाम करता है, जिन्होंने चंद्रयान-3 को संभव बनाया। उनके निडर काम ने भारत के लिए कई क्षेत्रों में आगे बढ़ने की असंख्य संभावनाएं खोल दी हैं।

जैसे-जैसे चंद्रयान-3 की कहानी सामने आती है, इस परियोजना के लिए निस्वार्थ भाव से काम करने वालों की दिल दहला देने वाली कहानियां भी सामने आ रही हैं: हेवी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन (एचईसी), रांची, झारखंड, एक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के हजारों इंजीनियर और कर्मचारी, जिन्होंने चंद्रयान-3 को संभव बनाने वाले मोबाइल लॉन्च पैड और अन्य महत्वपूर्ण उपकरणों का डिजाइन और निर्माण किया है उनका पिछले 17 महीनों से वेतन भुगतान नहीं किया गया है! इसरो के वैज्ञानिकों और इंजीनियरों ने बिना किसी प्रमोशन के काम किया है!

चंद्रयान-3 परियोजना के लिए जो संचार महत्वपूर्ण था, उसे विशेष रूप से बीएसएनएल, एक अन्य सार्वजनिक उपक्रम द्वारा नियंत्रित किया गया था, जिसका केंद्र सरकार द्वारा जानबूझकर गला घोट दिया गया।

यह आश्चर्य की बात नहीं है कि पूरी परियोजना को सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा नियंत्रित किया गया था। वास्तव में, भारत में सार्वजनिक उपक्रमों की स्थापना इसलिए की गई क्योंकि उनके उत्पादों (मशीनरी) की निर्माण अवधि लंबी थी, जिसमें निजी क्षेत्र निवेश करने के लिए तैयार नहीं था। वे शीघ्र सुनिश्चित लाभ चाहते थे।

एच ई सी कर्मचारियों की कहानी आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की गाथा को याद दिलाती है, जिन्होंने कोविड महामारी के दौरान निस्वार्थ भाव से काम किया, एवज में उन्हें केवल बातों बातों में ही सम्मान दिया गया लेकिन उनके दयनीय मासिक मानदेय में कोई वृद्धि नहीं हुई!

क्या प्रधानमंत्री यह सच स्वीकार करेंगे कि यह सार्वजनिक क्षेत्र ही है जो हमारे देश की रीढ़ है - स्वस्थ बच्चों के पालन-पोषण से लेकर बाहरी अंतरिक्ष की खोज तक! यह पी एस यू (सार्वजनिक उद्योगिक इकाइयां) ही हैं जिनसे बड़ी-बड़ी मूर्तियां खड़ी करने के लिए हजारों करोड़ रुपये लूटे गए हैं, जबकि पीएसयू कर्मचारियों को भूखा रखा जा रहा है। सरकार की सभी प्राथमिकताएं गलत हैं।

हम मांग करते हैं कि केंद्र सरकार एच ई सी कर्मचारियों के बकाया के साथ-साथ इस परियोजना में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले इसरो तथा अन्य इकाइयों के इंजीनियरों और वैज्ञानिक संवर्गों की पदोन्नति को तुरंत जारी करे, क्योंकि भारत उनके योगदान का जश्न मनाता है।



इंटक



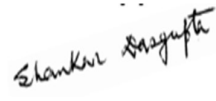
एटक



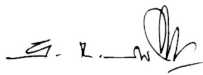
एचएमएस



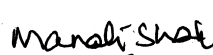
सीटू



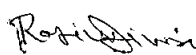
एआइयूटीयूसी



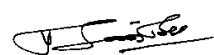
टीयूसीसी



सेवा



एआईसीसीटीयू



एलपीफ



यूटीयूसी

और स्वतंत्र क्षेत्रीय फेडरेशनों/एसोसिएशनों